अनुवाद का ऑनलाइन प्रशिक्षण
यानि
अनुवाद प्रशिक्षण-सभी के लिए सुगम

कल्पना श्रीवास्तव,
वरिष्ठ अनुवादक,
मौसम केंद्र,लखनऊ

अनुवाद के संबंध में कुछ महत्त्वपूर्ण प्रश्न

- अनुवाद क्या है?
- अनुवाद सबके लिए क्यों आवश्यक है?
- यदि आवश्यक है ही, तो यह गुणवत्तापरक क्यों न हो?
- गुणवत्तापरक अनुवाद के लिए क्या माध्यम अपनाया जाए ?
- इसके लिए प्रशिक्षण क्यों न लिया जाए?
- प्रशिक्षण लेना ही है तो क्यों न सर्वश्रेष्ठ माध्यम से प्रशिक्षण लिया जाए?
- वह सर्वश्रेष्ठ माध्यम कौन सा है?

अनुवाद क्या है?

अनुवाद के सिद्धांत

पाठ ग्रहण
पुनरीक्षण
अनुवाद
पाठ विश्लेषण
पुनर्गठन
भाषांतरण

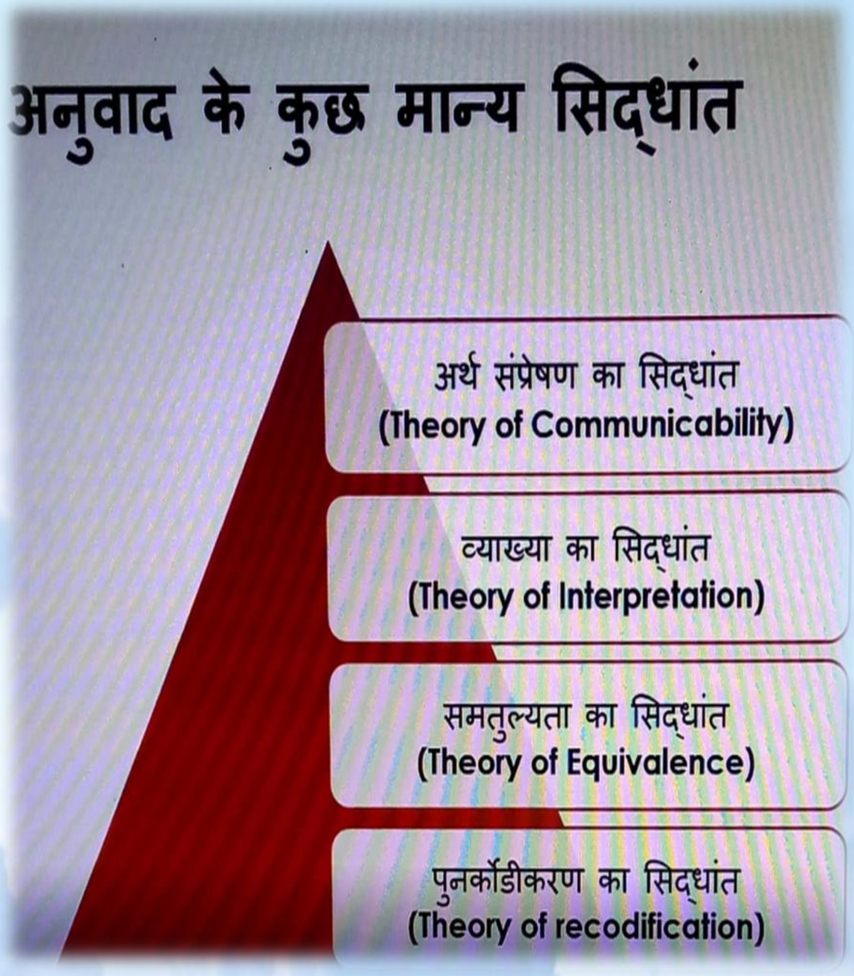

अनुवाद के कुछ मान्य सिद्धांत
अर्थ संप्रेषण का सिद्धांत
(Theory of Communicability)
व्याख्या का सिद्धांत
(Theory of Interpretation)
समतुल्यता का सिद्धांत
(Theory of Equivalence)
पुनर्कोडीकरण का सिद्धांत
(Theory of recodification)

उदाहरण

The process of recruitment to govt. jobs has been made simple and transparent by dispensing with interviews for recruitments to over thirty four lakh non- gazetted posts.

1. **सरकारी नौकरी में भर्ती की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बना दिया गया है जिसमें 34 लाख से अधिक अराजपत्रित पदों पर भर्ती के लिए साक्षात्कार के साथ वितरण किया गया है।**
2. **सरकारी नौकरी में भर्ती की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बना दिया गया है और 34 लाख से अधिक अराजपत्रित पदों पर भर्ती के लिए साक्षात्कार की बाध्यता को समाप्त किया गया है।**

मौसम वैज्ञानिक अनुवाद का उदाहरण

Keeping in mind the ballooning demand for more accurate and user specific weather & climate services, IMD undertook a modernisation programme on a Mammoth scale since 2006, whose results are well evident now in various realms of weather and Climate services rendered at present.

अधिक सटीक और उपयोगकर्ता विशिष्ट मौसम और जलवायु सेवाओं के लिए गुब्बारे की मांग को ध्यान में रखते हुए, आईएमडी ने 2006 से एक विशाल पैमाने पर एक आधुनिकीकरण कार्यक्रम चलाया, जिसके परिणाम वर्तमान में प्रदान किए गए मौसम और जलवायु सेवाओं के विभिन्न स्थानों में अब अच्छी तरह से स्पष्ट हैं।

अधिक से अधिक सटीक और उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं के अनुरूप मौसम और जलवायु सेवाओं की निरंतर बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए भारत मौसम विज्ञान विभाग ने वर्ष 2006 से बड़े पैमाने पर आधुनिकीकरण कार्यक्रम आरम्भ किया, जिसके परिणाम वर्तमान समय में प्रदान की जा रही मौसम और जलवायु सेवाओं के विविध क्षेत्रों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं।

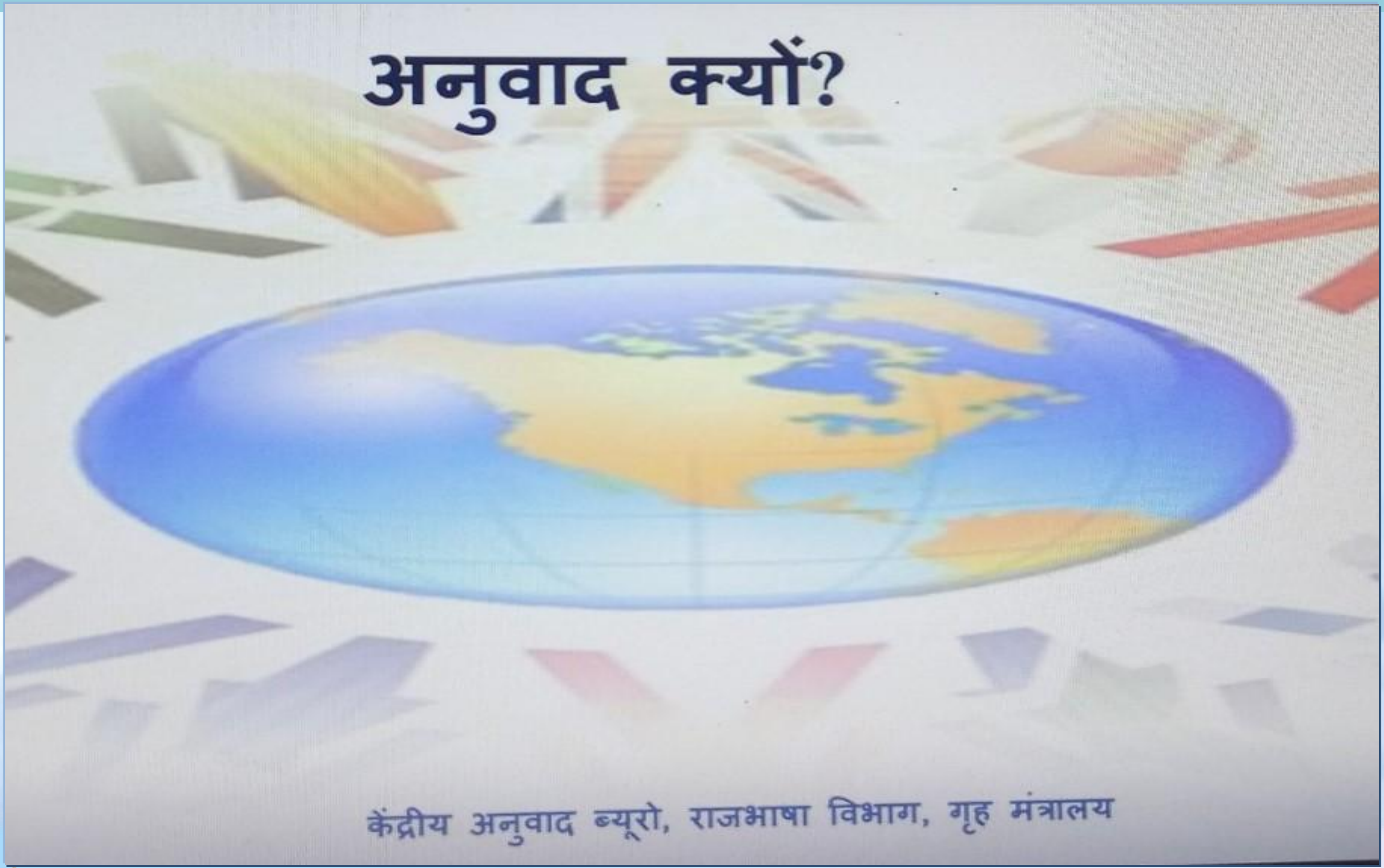
अनुवाद क्यों?
केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय

अनुवाद प्रशिक्षण का माध्यम

अब बात आती है कि इसके लिए कम समय और कम परिश्रम वाला मार्ग कौन सा है?

- तो सबसे पहले जो मस्तिष्क में आता है वह है – "गूगलम् शरणम् गच्छामि"
- दूसरा यानि बड़ा, कठिन और परिश्रम वाला परंतु श्रेष्ठ और गुणवत्तापरक मार्ग है अनुवाद प्रशिक्षण।

अनुवाद प्रशिक्षण प्राप्त करने के दो माध्यम हैं-

ऑफलाइन – पारंपरिक प्रशिक्षण संस्थान में कक्षाओं के माध्यम से या स्वयं के प्रयास से

ऑनलाइन – विभिन्न सोशल साइट्स के माध्यम से

अनुवाद का ई-लर्निंग प्लैटफॉर्म

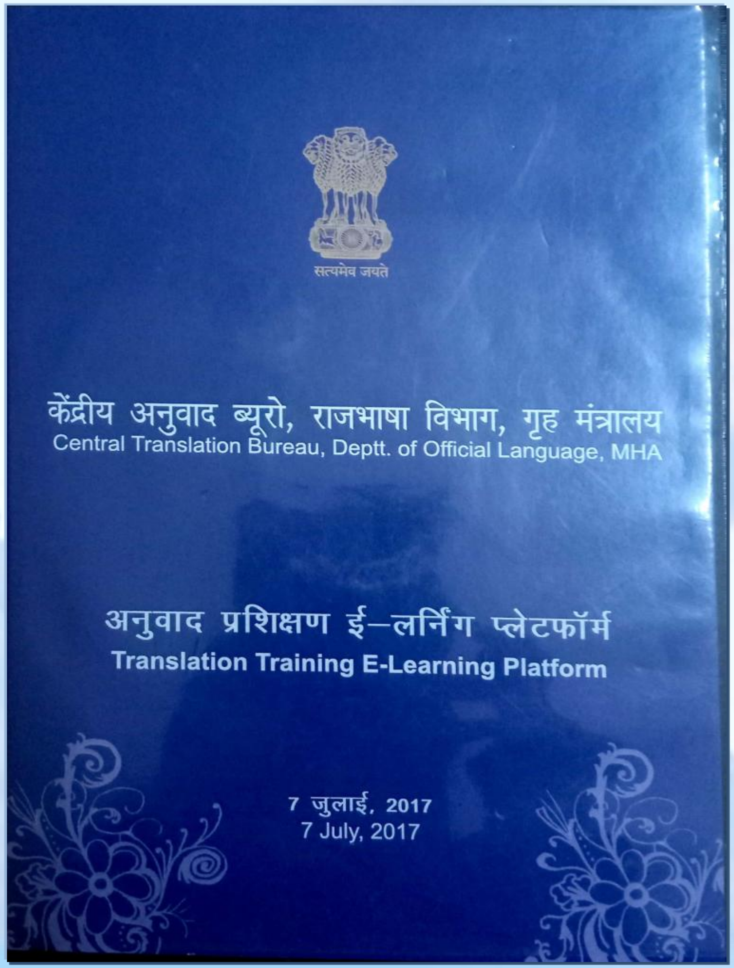

अनुवाद का ई-लर्निंग प्लैटफॉर्म

यह प्लैटफॉर्म भारत सरकार की सुशासन, चुनौतियाँ और अवसर कार्ययोजना के अंतर्गत केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो के विशेषज्ञों की टीम द्वारा तैयार किया गया है। इससे कोई भी अनुवाद का ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर सकता है और अनुवाद तथा अनुवाद शिक्षण की पहुँच व्यापक और सर्व सुलभ हो सकेगी।

इसका उद्देश्य अनुवाद का ऑनलाइन प्रशिक्षण देना तथा सरकारी कामकाज में प्रयुक्त प्रशासनिक शब्दावली और अभिव्यक्तियों के प्रयोग में एकरूपता सुनिश्चित करना है। इसमें 21 पाठों में बहुत सरल तरीके से अनुवाद की बारीकियों को समझाया गया है।

विशेषताएं – इसकी विशेषता यह है कि इसमें आयु, शैक्षिक योग्यता,नियमित और निर्धारित समय या कोई अन्य शर्त नहीं है। इससे कोई भी अनुवाद प्रशिक्षण प्राप्त कर सकता है।

अनवुाद प्रशिक्षण ई-लर्निंग प्लैटफॉर्म में शामिल किए गए विषय

- जनसंपर्क दस्तावेजों और फार्मों का अनुवाद

- व्यतिरेकी विश्लेषण और अनुवाद
- आदेश और कार्यालय आदेश का अनुवाद
- मुहावरे और लोकोक्तियों का अनुवाद

- टिप्पणी लेखन और अनुवाद
- अनुवाद पुनरीक्षण
- अनुवाद में सृजन
- प्रयुक्ति (Register) की संकल्पना और अनुवाद

अनुवाद प्रशिक्षण ई-लर्निंग प्लैटफार्म में शामिल किए गए विषय

प्रशासनिक पत्र-व्यवहार के प्रकार और उनका अनुवाद

पारिभाषिक शब्द और वैज्ञानिक तथा तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्या

वाक्य संरचना और अनुवाद

अर्द्ध-सरकारी पत्र, अंतर-विभागीय टिप्पणी का अनुवाद

प्रशासनिक भाषा और शब्दावली

वाक्य संरचना और अनुवाद

अनुवाद प्रक्रिया

प्रशासनिक शब्दावली में प्रयुक्त शब्दों के सूक्ष्म भेद

प्रशासनिक भाषा और अनुवाद

अनुवाद में सृजन का उदाहरण

रेलवे स्टेशनों पर उद्घोषणा-

May I have your attention please का हिंदी अनुवाद "क्या मैं आपका ध्यान आकृष्ट कर सकती हूँ" के स्थान पर "यात्रीगण कृपया ध्यान दें" बोला जाता है जो शाब्दिक नहीं है, बल्कि अर्थ की समतुल्यता के लिए इसका सृजन किया गया है

मुहावरे तथा लोकोक्तियों का अनुवाद

सामाजिक और सांस्कृतिक भिन्नता के कारण अनुवाद का स्वरूप अलग हो जाता है।

To live in Rome and quarrel with the Pope का अनुवाद शाब्दिक करेंगे तो "रोम में रहकर पोप से झगड़ा" में मुहावरे की कलात्मकता नहीं है। अतः यहाँ इसका अनुवाद किया गया- "पानी में रहकर मगर से बैर"

निष्कर्ष

इस प्रकार हम इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि अनुवाद न केवल सरकारी कार्यों में, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण है, किंतु प्रशिक्षण संस्थान में कक्षाओं के माध्यम से भारत भर में मौजूद सरकारी कार्यालयों के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों की अनुवाद प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताएं पूरी नहीं हो पातीं। इसलिए इसे किसी सरल और सुगम माध्यम से सभी को सीखना ही चाहिए। हाँ हम मशीनी प्रणालियों से सहायता तो ले सकते हैं परंतु कौशल पूर्वक और विषय विशेष की जानकारी के साथ उस सामग्री को गुणवत्तापरक बना सकते हैं।

और मैं यह मानती हूँ कि जब आप उपर्युक्त ई-लर्निंग प्लैटफॉर्म के माध्यम से अनुवाद प्रशिक्षण प्राप्त कर लेंगे तो शायद गूगल की शरण में कम से कम या बिल्कुल भी नहीं जाना पड़ेगा।

धन्यवाद